



05AA 339094

15/12/19
18/12/19
19/12/19
20/12/19
21/12/19
22/12/19
23/12/19
24/12/19
25/12/19
26/12/19
27/12/19
28/12/19
29/12/19
30/12/19
31/12/19



जिसका खाता नं0 746 (सात सौ छियालीस) सामिल प्लॉट नं0 7788/7885 (सात हजार सात सौ अठारसी बट्टा सात हजार आठ सौ पचासी) कुल रकवा में से नक्शा विमर्जीन A चिन्हीत जमीन खरीदा खास दखली रकवा 08डि0 (आठ डिसमिल) जमीन सम्पूर्ण माय चौहदी सह नक्शा मुताबिक आज आपके हथ केवाला विक्री किया एवं दखल कब्जा दिया। जिसका चौहदी उ0-उवत प्लॉट में से B चिन्हीत खाली जमीन, द0-किरण सिंह का मकान, पू0-इसी प्लॉट का जमीन, प0-पी0 सी0 सी0 रास्ता। साथ में नक्शा नक्शी किया गया है जिसमें विक्रीत सम्पत्ति का चिन्ह 'A' ताल रंग से रंगाकर दर्शाया गया है। विक्रीत रकवा 08डि0 जमीन का उत्तर भुजा 116 फीट, दक्षिण भुजा 109फीट वो पूरब भुजा 31 फीट तथा पश्चिम भुजा 30 फीट 06इंच होता है। उपरोक्त जमीन सरकारी भूमि, वन भूमि एवं अधिग्रहण क्षेत्र से बाहर है।

चूंकि विक्रय केवाला दरतावेज का विवरण है कि मुझे सांसारिक खर्च तथा आवश्यक घरेलू खर्च के कारण रूपये की विशेष जरूरत होने पर तफशीलवत सम्पत्ति विक्री करने का प्रस्ताव करने पर आप इसे खरीदने को राजी होने पर आप से सर्वाब्ज विक्री मूल्य 8,87,000 /- (आठ लाख सतासी हजार रूपये) धार्य कर तथा आज आपसे नगद समझ पाकर उक्त सम्पत्ति आज आपके हथ केवाला विक्री कर सदा के लिए सम्पूर्ण रूप से निस्तव हुए। आप आज तारीख से उक्त सम्पत्ति का सालाना मालगुजारी उपरोक्त के हिसाब से मालिक जमीनदार झारखण्ड सरकार को सन्-सन् बराबर आदाय देकर मेरा नाम खारीज वो आप अपने नाम से वेक दाखिला लगान रसीद इत्यादि हासिल पूर्वक कच्चा पक्का गुहादि बाग बगीचा कुप शोचालय आदि निर्माण कर वसवास भाड़ा बिली तथा हर प्रकार सम्पूर्ण रूप से सत्वान होकर दान-विक्री हस्तांतरण आदि सर्व प्रकार मालिक बनकर वंश परम्परा पुत्र-पुत्रादि परस सुख से भोग दखल करते रहेंगे। इसमें मेरा तथा मेरे वारिशन में से अन्य किसी को किसी प्रकार का हक अधिकार, दावी-दावा तथा उज आपत्ति नहीं होगा, करने पर वो कानूननः बिल्कुल नाजायज वो नामजुर समझा जाएगा। प्रकाश रहे कि विक्रीत सम्पत्ति सम्पूर्ण निर्दाय वो निर्दाय अवस्था में है तथा अन्य किसी को दान-विक्री या एग्जीमेन्ट, पावर आदि किया हुआ नहीं है वो किसी संस्था, बैंक आदि एवं सरकारी कर भुक्त वो ऋण बंधक किया हुआ नहीं है वो मेरा निर्जोश खास दखल की है। उसके बाद भी अगर भविष्य में वैसा कुछ श्रुति या नुक्स प्रमाण होने पर सम्पूर्ण क्षति-पूर्ति के लिए मैं माय वारिशन बाध्य रहा।

